Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

करिति डमरा इं ॥ इति वद नाद्वितीय मासप वनिऊ ण्य फलादि ण य इं ति इति दाता ॥ य इं सिव हिअं मिवी साइ त्य
रसु सवी सई मासा इत्य त्ता सिव हित व र्षे ण्ण दिने य डी घ ण मु क्कं त मा ध ना थि त्य गृ द ण्ड ठा ना व स्था न नि र्म य का
ण कू प प डी घ ण प क्का ये व त्र सिव हित व र्षे ण द ण्ड स्था नि ठा ये ण वा पा श्र य म क डि आ इं ज क्कं पि आ इं ज न्ना इं गु
न्ना इं इ त्या दि कृ त्या नो च्च य मा व ह्व वं कर ण न मा ध ना मु ण श्र या दि दा ण ल ग न मं ता व ना या श्र ण्य ता वा त्ता त घा व
नि ज्ञा ण्ण तू णिं ॥ श्र सिव हिअ व शि सवी सइ रा ण ण ण गि हि ना य क रिं ति इ ति ॥ स वी व त्य व दं ना ॥ स वं सा धु व दं
न श्र ा ला व ना दा न व श्र इ म त्य ा क र ण ध वा र्षि क्क प ति क्क म ण प ला वा दि ण्ण डी घ ण क्क त्या नि ज ना इ श्र दि
ण व म्या मा वा क्का नि इ ण्ण ता ॥ श्र व र ण त्या इ त दी य व इ ध्यो ॥ त घा दि ॥ श्र न्न दा प क्का म व ण दि वा स
श्र ण ण श्र क्क का ल ण ण स्सा त वा इ ण ण ण णि इं ॥ न इ व य क्क इ स्स प ण व मी ण प क्का म व ण र न्ना न णि इं इ त्या दि ॥
ण डी घ ण क ल्य व ह्मा मी ॥ त घा नि ज्ञी ध व ह्व र्मि इ श मो ॥ इ ह्म ा क ण क्का ॥ त ह्म य मा ल वा इ ण ण ण या मा श्र मा व इं ॥ सा श्र
का ल ग क्कं इ तें मा क्क ण नि ग इं श्र नि सु ह्मा स म ण सं घा म हा वि ह्व ई ण प वि ह्हा का ल ग क्का ॥ प वि ह इ ह्म श्र न णि श्र ॥ न
इ व य सु इ प व मी ण प क्का म वि क्क इ स म ण सं घ ण य प वि व न्ना ता इ र न्ना न णि श्र इ त्या दि ॥ त घा न त्र व क ण य वि घा ट्या
ण ह्मा श्र इ न्नि मा स इ त्या दि ण ण घा व्या र व्या न ण क्कं न इ व य सु इ प व मी ण श्र दि ण ण इ य न्न सं व ह्म ा न व श्र ा व ही
ण ण ण दि ण ण सं व ह्म ा न व श्र ा प व मि क्कि क्कं दि ण ण प दि श ते ण ण ता व श्र ा ण श्र इ क्क ा व व व ण दि ण त्रि ण प क्का म व ण

दि ण त्रि इ त्य र्थ इ त्या दि ॥ त घा वा सा वा सं ण प क्का म वि श्र ा ण नि ग घा ण वा ना क ण्ण इ ण र्ण ण क्का म व ण इं गा ला म
ण मा ण मि न्न वि क म सं त र य णि इ वा य ण वि न्न ण त्रि ण डी घ ण ण क ल्य भू इ ॥ श्र इ व त्ता ता र ऊ नी ला इ ण द मि त ण
व मी ण वि ना नि क्का म त्य ा ण व मा ण ण ॥ ण ण व ला व क्का र त्य दि ति ॥ ण डी घ ण ण क ल्य टि ण्ण ा न मु क्कं ॥ ना म क
ण्ण इ त र य णि ति ॥ ना इ ण द मु क्क ण व मी म नि क्का म यि इ मि ति ॥ ण व ण डी घ ण ण क्का नि श्र व ण क्का णि न इ ण्ण ता य दि
श्र व ण सु ण्ण दा पु न : श व र्ष इ त्या न त र स्सा वि नि श्र सि व हि त व र्ष श्र व ण सु क्का न्त र वि ण्ण ह्मि ह्मा त न इ क्का ॥
नि ॥ त ता : धि क मा स म ह्मा व पि वा र्धि क इ ति क्क मा दि क्कृ त्या नि ना इ ण द मु क्क ण व मी म ण व क्का नि सं
ण इ ति क्कं ण ण द ा ण दि व इ ह्मी का र ण ण व ा त्रि श्र ा स व व श्र ण मा य म ह्म ा क्क ण मि ति श्र ा नि श्र ा
इ व र्ष्मि द श्र ा मा ह्म श्र क्क व व ना व इ ध्यो क्रि य ते ॥ य दि वा सि व हि त व र्ष श्र सि व हि श्र मि वी सा इ त्य क्क र ब ा ल
नि व ण दि ने : स र्व ण डी घ ण ण क्का नि क्रि य ते ॥ त दा श्र ा सा दी इ त्रि मा ण प क्का म वि ति ण म इ स्सु ण ा स स क ा ल
ण क्का म वि ता ण स म्मा श्र व व इ ति नि श्री ध व र्ष्मि द श्र ा मा ह्म श्र क व व ना दा ण ह व र्ष्मि मा या म वो त्स र्गि क ण र्व क
र ण ी य स्या ना ण वा दि का न्य प र ा ण ि श्र ण व ा ॥ इ ह्म य ण ण ग र्ह्म ा र ण ी य क्का व वी म ई मा सा ॥ सु ह्म द स म ी वि श्र
ण श्र ा सा दी इ त्रि मा स र ण ॥ इ ति श्री ण डी घ ण ण क ल्य नि र्व र्त्त्या दि व च ना दा ण ह ण दि श ा म्मा श्र र त्य ण व सु इ
दि न सु ग त सु ण डी घ ण ण क्का वि लो क्या ता त घा वि ध्या न व ण व ी ण ि ने य त्या न त्र ण व ह्म ा व त्त व ण व इ वा ण ा म

DR. BHAU DAJI

णादादा॥श्रअत्रमघक्रमारस्यश्रीज्ञाताधर्मकाथांगाक्रकहिविपाराज्ञातद्य॥॥ग्दणासवनाश्रिक्राश्रिक्रायेस्रा
मिनार्पित॥च्चविणाणामसोतिसुशाथितोद्वारावश्मति॥श्तिर्थङ्किःप्रविज्ञाङ्किश्मसाधुसिसूत्रच्चरिनि॥सा॥स
क्रज्ञाउदसांक्रिक्रर्यगाद्येरघद्यत॥धप्रसृजङ्किश्मसंवीगंतप्राग् ङ्गंतरणुनाथद्यासोक्षणमाणकमिंडांश्रा
प्रनतन्निशि॥॥पदथौसा॥धउरामःमीसादरासाधवांनवन्॥श्दानींप्राणिपादाद्येर्लंडुवद्यदंतिमं॥॥दृ
वैक्रमसुखवासाङ्गःखवासासाद्यंक्रच॥ क्रणप्रज्ञाव्याख्याणमश्रस्रतनंक्रच॥॥गसदिष्ठिङ्गः॥
सद्दांदृतकप्रसिद्धेकदर्धनातस्रातःश्रुभा दृष्ट्राश्रयिष्णुदृष्टितोधुनां॥श्रतिधात्रिकल्प सूर्यगत्रा
दंतेननामसःबलाषतमासावीरःसुधा॥ मधुरयागिरा॥णकावक्रवहिरिहिंवश्रुंदासन्नणं
समलिलसश्राकावरद्याणंश्रुंश्रुंघरिगिह श्रुंवलखंडाशं॥णानरश्रद्याणविङरकंफिङ्कश्रुकालै
णकिंणणनराणं॥तानविरंश्रुदादाश्रुंडरकमि॥ णमासंसुविश्रसु॥॥श्रीश्रंजलबिंदुसमंसंपन्नोतरंगलो
लाश्रासुविणयसमंचविम्मंङंजाणसुतंकरिक्रा॥ सु॥श्रवरश्रगिंमिणवासावरंविसुहणकम्मणामरणं
मागहिश्रद्यनेगामाङांश्रंखलिश्रसीलसा॥श्रश्तादि॥वत्तनिर्गहदागहत्तमाधुसिर्घहितोषुकिंङ्ग
रथासाङ्गविमिघानघमनाःश्रुणु॥धश्रातास्वावृत्तीयंचहिताद्यसुविषङ्गरदः॥दसीसदसद्यूषेशचुसुमः
रुपरनःसित॥श्पदवाङ्गीतान्यदाग्रीभविद्याकरिणीर्ङवान्॥श्रवमानःसशंकंपंकिलेवपितोविशाःश्द

तत्राप्राप्तप्रयःपंकमग्नःपत्यर्दितेतिना॥विहःसन्नदिनान्यस्थाःसदमातामहाद्यग्रं॥॥गश्राश्रुवेषशतंविशा
सुत्तरंपरिपाल्यचरक्तादंतावर्तदीतावियच्चमामसूःपुनः॥॥णमरुपरनालिधःसप्तद्वसिनोज्ञातनायकः॥दवंवी
क्ष्यान्यदाजातिमरमाघीःस्वस्यदृविक्रं॥॥णंवघीगत्राद्विमधीतवल्याद्यकन्मूलमूलत॥सुंडिलंसपरीवारांद्य
श्राद्याजनमावकुं॥श्रदद्दाान्यद्यकर्दवंलीतः॥णंरुपत्रंविसुद्यचाक्रतंगत्वाविशमत्रसुंडिलसत्रंसंक्रालः॥श्रसं
लीनागस्तेतसुगात्रकंडूयनत्रयात्रदक्षिणः॥ क्रिमकंसुंतद्दमाज्ञाज्ञाकाविशत्॥श्रकंडूयित्वावदुःप्रा
दंसुंवन्नालोक्यतंत्राज्ञोसत्रोकसुंतप्रियवास्था ॥ज्ञाज्ञाकस्माच्छंकंद्यात्॥श्रसाद्यांद्विनहत्याद्यांतदावश
वलितत्राज्ञाःदिव्यवगिरःकूटधरिष्या॥ मप्रतःक्षणात्॥श्रधतातादिनत्रयंदुःदृष्ट्वाधितापि
रुपापरः॥ज्ञाद्यरक्षतंक्रिर्ज्ञात्वसुमंत्रदृणा॥ मङ्गः॥श्रथतद्याक्रपाक्रतःक्रनवत्मसन्ज्ञामनाद्यया॥य
घास्यद्यघातंतनागणतमनागणि॥श्रदद्दा॥ नोत्रङगद्विद्वान्सर्वसाद्यवर्ङकः॥साधुसिःसमविन्ति
सुघद्यमानापिदृयमा॥श्रसुमाग्यद्यातमितिसुद्यास्मृद्या॥ दृर्वसतावनिङ्गाधुनरायातसंवगामेघा
नद्यान्यधात्रसुं॥श्रङ्गीयाद्विरंयादवमासुतप्रस्थितंप्रिधुनःप्राधीदतःक्रिंरघाविवसुमारधिः॥श्रथ
सुनायःमीमदात्मानाःमीघाप्रादरङ्गाप्रिदिचंद्यमतप्रचत्यतद्दक्तमृष्टंसुंशरीरकं॥श्रसुक्रानत्रज्ञा
रीरत्रक्रर्वतांघदनादिकंमनसापिनहण्यामात्यत्राधीमःस्वनिग्रहः॥॥गणंद्विरीक्रतामेघसुद्वातीघत

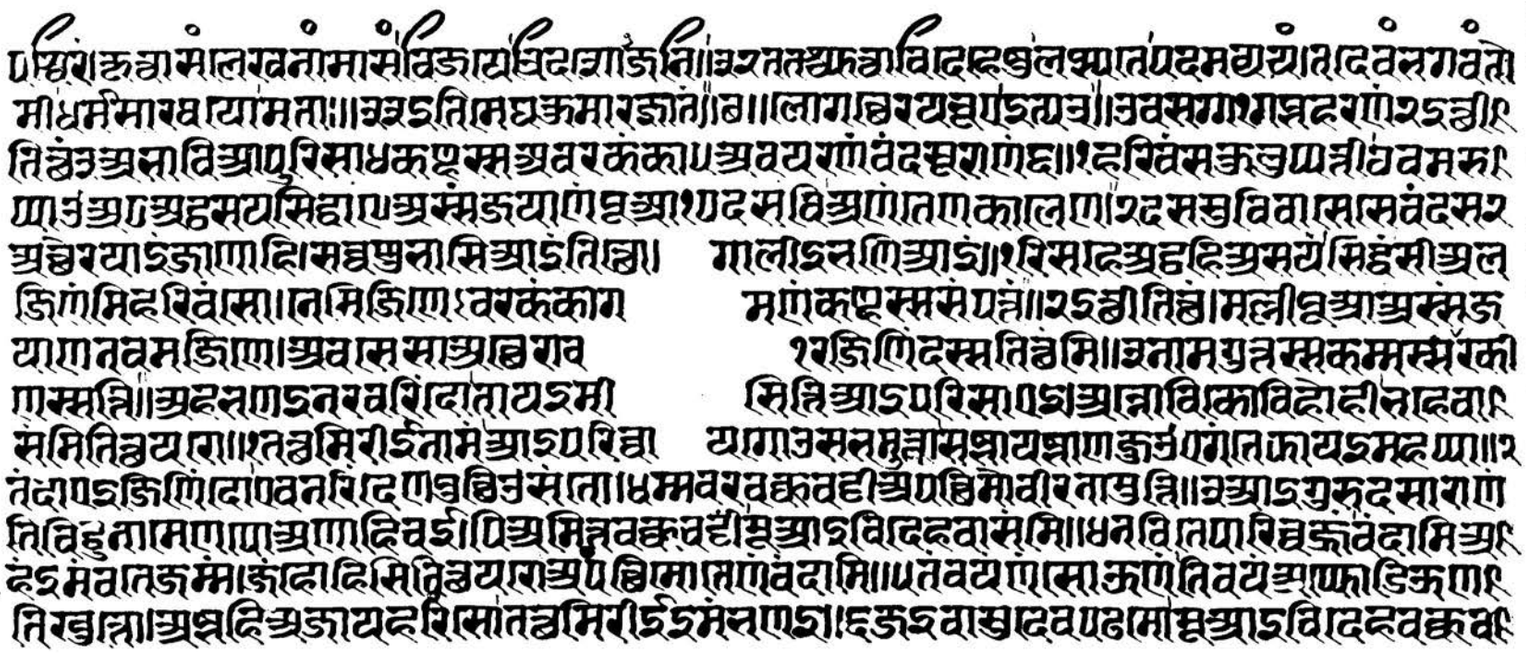

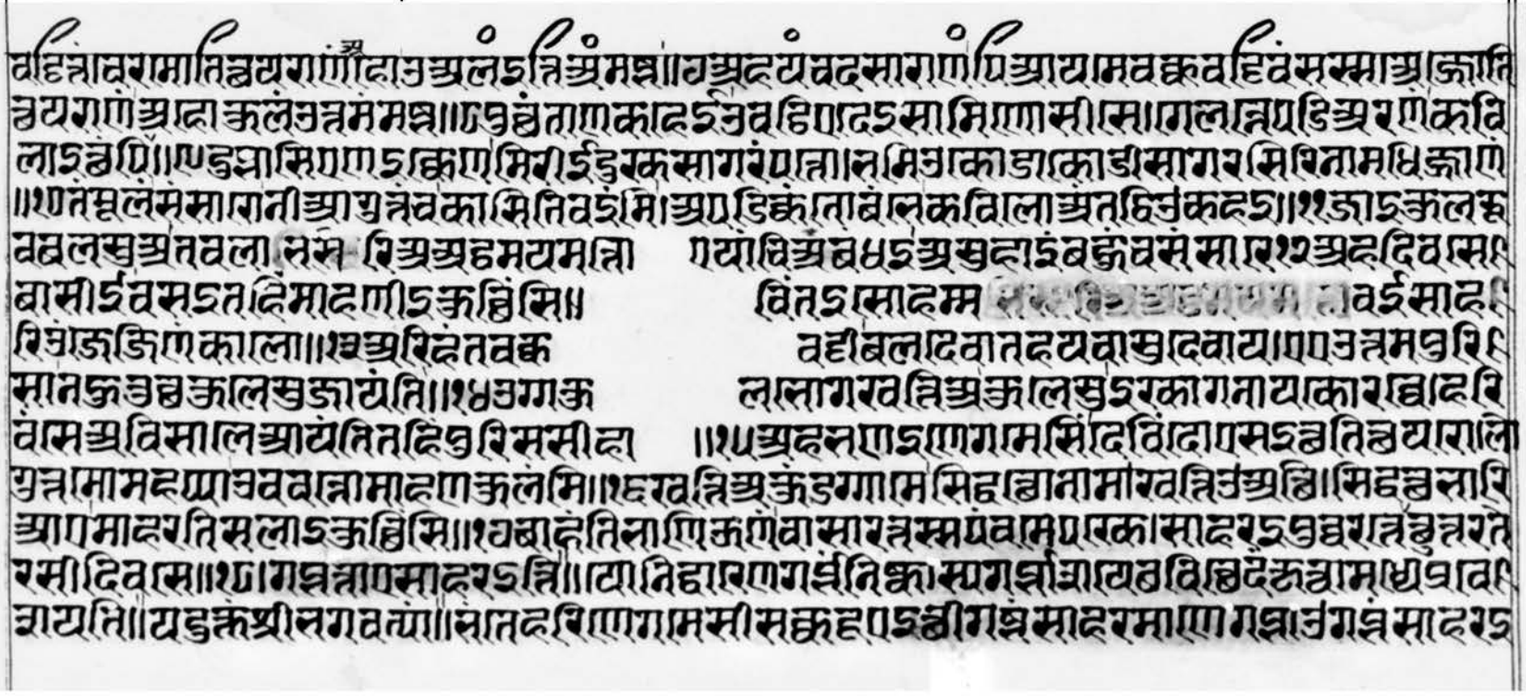

BHAU DAJI

ङ्गाश्वकाशरिकाशङ्कनिका॥मिश्रानकप्रमुखवाद्यकुलसमाकुलं॥ ॥श्रश्रन्नराशिरश्मा॥नीलामदा
नीलामरकराकर्केतनापद्मरागाश्वपरागावज्रविद्रुर्यासूर्यकांतावैडूर्यकांताजलकांताश्रीकांतशिवा
कांताशिवकरप्रियंकरानंदकरामंडकरःप्रभंकराश्रीकराःशांतिकरागकरविनयकराक्षरदरा
गद्दराश्चलद्दराविषद्दरासोत्तागकराधृतिकराश्वष्टिकराश्वष्टिकरावंडप्रभासागरप्रभाःप्रभाताघ्रा
कावीतशोकाश्रपराजितागणदकामा॥ सारगल्लादसमर्तालोहितांकाकोसुंभाकर्केटिश्वेता
कारुवकासारंधिकासुसगागणमधा॥ अंजनाज्योतीरसास्नातरुविगुणमालिश्रेष्ठमालि
दवानंदारिष्टरत्नावितारत्नप्रमुखवि श्रेष्ठरत्नानि॥ ॥गंजनविश्वरोडीरोधर्मधुर्यो
दृषणश्वासिंदूतनिर्लेपःशूरःप्रियावि शूप्रियावित॥॥श्रंजासद्दोपरिसंतोश्रीनानद्यनाभू
तासूर्यीणतमसंहर्त्रीकालात्रंसोधजनत्र ॥श्रंकालनगुणसंहर्मःसरसाविश्वताएदत्रावाहिनागु
रुगंसीरविमाननामराश्रय॥श्रमद्यारत्नश्रंजनदीपानिर्हमवक्रिनाचत्रदेवारंकालोकस्वामी॥
सावीतशोगंज॥॥श्रथवामत्वामिसाद्यासावीतिवक्रमिचवत्रदेतमदालोकनाश्रत्रविधर्मोपादस्त्रा
सावीतिशंसिश्वतोरावण॥॥श्रमद्दक्रमासारवादीसरातबाधिबीजवापीवलावीतिवक्रंहप्रत्र॥॥श्रमद्दद्रु
ःकर्ममात्रलद्दतासावीतिसि॥श्रश्रस्याश्रयणाद्यापलोयास्यतिवार्धिकदानावसरवमामपक्रतार्थी

थिप्यतातिथियालक्ष्मी॥॥श्रमद्दकीर्त्यासुरलितासावीतिश्रक्रापश्रस्यसुखस्यापमांतलविश्रामीतिवं
द्र॥श्रमद्दान्माद्दराविद्दतातिसूर्य॥वधर्मधुंडधुंडाविघ्नविनाशावीतिधुंड॥॥वधर्मप्रासादशिखरस्था
तातिकलश॥॥ण्डगतस्तुलाद्दात्तातिपद्माकर॥॥श्रमद्दकुणरत्नामास्थानंगलासश्लावीतिसमुद्द॥॥
मद्दन्निलोत्पेंडलीलासावीतिविमाने॥॥श्रमद्दक्रगद्दणाकूर्त्तेतिरत्नराशि॥श्रमद्दकर्मधनानिधद्यातिशि
वसुरप्रस्थाथिनोकल्पाद्रुवसावीतिवक्रमि ववक्रिमोत्तःस्वप्नसमागत्र॥॥श्रणगंमिलतिशि॥नक्त
नरवद्दाःराज्ञोमंत्रिपरीक्षितशाप्येकश्रा ग्यवलगकंपवशतीवत्र॥स्वप्नपाठकश्वस्वप्ननिदा
नानिनवस्तुतश्रमत्रस्तंश्रद्दशेनग्रमत्र प्रभवितापद्रुतिविकारादद्दवाःशुण्यानिपर
पापानि॥श्राद्यप्रकृतपाशिवमंशिवंचा थिनिफलदृष्टश्रन्यत्रिकंचसुसंपुनाशस्तस्वचयत्या
शु॥श्रतिदासज्ञाकाकाणात्मादृक्षुश्रा तयाद्भुतात्मन्न॥वितथाद्भुक्षपिणासाद्दवशराशेइवः
स्वप्न॥॥श्रस्वप्नाषश्रमप्रहरदृष्टःसंवत्सरेणफलदःस्यात्रासंवत्सराद्दफलदाद्वितीयायामेद्याभाया
॥श्रमासत्रयेणराज्ञस्तृतीययायामदृष्टाःस्फुटंफलदा॥मासैकफलादृष्टश्चतुर्थयामेनवस्वप्न॥॥पवर
मनिशाघटिकाद्दयसमायफलतिध्रुवंदशाद्दनात्सूर्योदयेतदृष्टस्वप्नःफलदायकःस्वप्न॥॥द्दनश्राद्यःए
ऊस्वप्नान्गुर्वादेस्वदितरःपुनःश्राद्यःयोग्यश्राद्यानावगारयिकर्णेप्रविश्यवदृ॥॥गाश्रागदर्णगाद्द

यकंडूरगंडाश्मादेर्नालंव्रणस्य तीक्ष्णं विशोधनं लेपार्थं रुदंतमूर्ध्वं प्रणम्यागमनं वर्जयेत्॥ ८१
आरुह्यनावं प्रतिपद्यवीणां सुस्वारुदित्वाक्षवमर्दलानः॥ आलोक्यदूर्वांकुरवंदनानि लवंतिषंढास्त्रवसं
मंगलानि॥ ९०यस्त्रुट्यत्तिस्नायुतंत्रीप्रतिक्रुद्धरंदंयस्त्रवर्मीवघ्नलंगंवक्रुद्धंवतस्यवर्हंत॥ ९१तांबूलदधि
वस्त्रिश्रुंगारवामाकिंकवंदनः॥ जातीवकुलकुंदिंदुदृष्टिर्धर्मांधनाम॥ ९२दीपमन्नंफलंपद्मकल्पाहृत्
वघाधड्डादाद्यात्रणंमंचलानस्थानीष्टसि हृत्या॥ ९३जिह्वाहृदशिरस्त्वादप्राज्यमाज्यंसपदं
लिंगाहृदचर्मोरागंकरणं हृतिः॥ ९४मा शुभ्राणिवमांसानिस्नुग्नांतर्यसुरुक्षायन्॥ दहितानि
घपक्वानिशूणुतस्यापित्यकृले॥ ९५॥ दंपत्योर्जातीलालाःसहस्रबाकुलकृणाराज्यंग्रा
तमद्यंवालस्रातमूर्द्धसक्रुणा॥ ९६यानाः द्वोतघ्राहृत्वलक्षायःप्रतिबुद्यतिग्रंसिवानिर्मलंता
क्रुमंक्षनंतस्यनिर्दिग्रान्॥ ९७नावमारादात यस्तुनिम्नायांवमंसुत्तारन्॥ ९८वासांतिदिग्रान्नस्यसधन
ंसुतरागम॥ ९९ाकुंग्रायस्यविग्रीर्यंतदंताग्यस्यपतंतिवाधनंताग्रालवंतस्यपीडावापित्तारीरजा॥ १
०७ग्रदंवंतियस्त्रग्नंशृंगिणांदंष्ट्रिणां पित्तावातरावावरादावालवंडाक्रुलाहृत्यां॥ १०८हसितक
लदंबूयाद्गीतरुदितमादिग्रान्॥ अक्रानंतरागंतरागमाहृदधनक्रायां॥ १०९मदिरांष्ठीत्यायानंदं
क्रिणांस्यात्तनोत्यांतं॥ अविरोणवकालंनष्टक्रुतस्यविनिर्दिग्रान्॥ ११०अस्यगितस्तुतिलंनयस्यात्त

घातनवास्नादनक्रुक्रमनापित्वाधिस्नस्यविनिर्दिग्रान्॥ १११दंभूंविष्टाभक्रुर्मधुरंसुरांपित्वन्नयाग्य
ज्ञातनांतुलिप्यतायाधनविद्याहृदयस्नस्या॥ ११२अधः प्रानविधुरत्वाग्रीमसूर्यंडदर्शिनाः॥ आज्यलालं
डुग्धपानंप्रदाविगतापदः॥ ११३यःक्रुणिहश्चिक्कीटश्चापदविहगंदिंदग्रंतःवग्रंनरवलुक्रुदाय
वनीतः॥ सवित्तमाप्यद्यातमद्य॥ ११४वपनंपरितः प्रग्रंतिशिरमःक्रुचैस्यग्रंशरीरस्यातस्याधियस्नः॥ ११
घ्रमसोयातिपंवद्य॥ ११५हृद्दगाधिकासुक्रं गा॥ ज्ञातप्रदिकाःकीटिकाःस्मुटंयस्याःप्रविज्ञातिकर्म्मा
मध्यमविनग्यकर्म्मरागणं॥ ११६वक्रुल वल्लीरक्रुनिरंदिकंवुक्रुवृंतंवुलिःस्नाग्याववुग्रः
ंपरिवंक्रुरुतंतस्यापिमरणंस्यात्॥ ११७ ग्ररक्रुनीकरदिनकरग्याममूलालदाग्रारागविः
नियातान्नाग्यावाक्रुतसक्रांक्रुतिंपंवद्यंपंव गात्रण॥ ११८णनयनामग्यःप्रग्रातारागंहृदीपविद्यु
तोमद्य॥ आनरणस्यग्रदंगात्रदंगरागःस्फु दीनवति॥ ११९ग्रायाद्यारागंलालंगलार्यायाक्रायांतष्ट
तिः॥ अंगाहृदमुनर्हृष्टंपिहृमाहृसुतग्रयः॥ १२०रक्रुकूलांवरहृतांस्त्रियांस्निष्टस्यरुग्नृतिः॥ शुक्रमाल्य
ंवरहृतांतुनः श्रीः सर्वतांसुखवा॥ १२१तिगाडग्राग्रांबंधवंप्रतिष्टास्यात्सुतांघवा॥ लालः सिंहाधीगांधः
मविंघग्रानान्निगमग्रः॥ १२२ग्रयस्नुस्नातनमंणिदंग्रातदक्रिणंभुजांसहस्रलालमाप्नोतिसंग्राम्यदंग्रा
मदिान॥ १२३ववांकुक्रुटीक्रांवीलक्षायःप्रतिबुद्यतिलनतकांग्रासंशुक्रांस्तार्यांमधुरलाक्षिणी॥ १२४

दधिलालनवदंघ्रीघृतलालनवोल्कशायशाखदधिनक्राण॥श्रद्धामानशयनयानशरीरवाहनः
गृहाकुलमानविभुह्यततस्यश्रीःसवीतासुरवी॥श्रवश्रद्धाकंकुणवीरवपलाशवापिश्रक्रितःस्नातः
शालमलीदृष्टानरःशाकमवाप्नुयात्॥श्रणनिर्धमाग्नेदर्शनपानमपिशस्त्रेअन्यविनावदृष्टाश्रतिमाषान्नः
तिसर्वोघोन्न॥श्रणगलालवंगवल्लीकट्टेरफलानिनागवल्लीवाजातीफलंचपश्रतिस्वादतिथस्यसनवतिश्री
॥॥धश्रयस्यमध्यतटाकस्यखंडीतघृतपायसं। निष्पन्नेशुक्लपक्षेतंविद्यात्सुविधीपति॥धश्रविशावद्
ष्टश्रयद्यस्यग्रामंवानगराणिवाग्राममंडल राज्यस्यानगरपतिर्वालवन्न॥धश्रसिद्धानागःशुक्र
ष्णाग्रादःकर्षतिनरंयदापश्यात्।बद्धस्य। मरणदिनाद्धाशुक्लस्यचतस्यबंधःस्यान्न॥धश्रपिदृ
तर्पणपरिणयनाद्यःस्वयंसावत्सरायऋत्वे शालाजनमिदृश्यःऊरुतस्यस्नावन्मरणमविरण।
॥धधश्राकूदःश्वमिलनंदीतटशालिलाजनं। ऊरुतःसखनक्रिंचिमिमखिलामद्राश्रद्दीनोपिधर्मध
न॥धपक्षीरिणफलिनंवृक्षमकाकीयोधिरादति।तत्रस्थश्रविभुध्यतधनंशीघ्रंवाप्नुयान्न॥धदशासादश्रि
रवरशुक्लासप्तइंद्रियस्मरन्नरः।श्रपिदासकलंजातःसनवत्सविधीपति॥धशदवताकृष्णयागवःपितरो
गिलिनोदृष्टा॥नरवदंतियत्स्वप्नेतत्तथैवस्तविष्यति॥धपसर्वाणिशुक्लानिसुश्लक्ष्णानानिकर्परमलस्मा
स्निकपालवर्णासर्वाणिऋक्षाण्यतिनिंदितानिगदस्निग्धाजिह्मदवर्जा॥धण्दृष्टाःस्नायेस्वप्नति

तत्रेशुक्लाशुक्लाहृणांस्वस्य।यत्प्रत्यपरंतस्याज्ञयास्वप्नस्यानाकिंचिन्न॥धपइःस्वप्नादवगुरुनृद्रजयतिः
कारातिश्रक्तितश्चतपःसततंधर्मरतानोइःस्वप्नोस्तवतिसुस्वप्न॥धश्रत्यादिस्वप्नविचार॥ब॥धधन्नेणवहाः
गणेति।मालिशंखश्रवादिशंकुदधगालयपतिलदृसुगतमासपचवलणविणाणवरिरमसरश्रकुल
ब्राश्रगाङ्कमधनिष्फावपश्रयसिरदसिणाश्रग॥श्रयद्दा॥धन्नाश्रवत्तीसा॥शंखरागाङ्कमश्रमालिश्रवादिधः
सहिक्काधाकाद्दवदंवश्रणआवकंगणराल यणतिलशणमुगरमासायश्रदरिमंघश्रश्रयसिधतिः
शंडाधनिष्फावरदसिलिंदधरायमासा यणश्रशंकुरणमसूरशणबरीशंकुलत्थश्रयूतदधन्नय
शवकुलाथाश्रधा ॥दाडमासगाव श्रत्यादि॥यदिसत्यमिदंशंगंस्यास्यंकधचन
तदाद्दनमंत्रागणंदंचमोनिःसणंकाव। धिः॥श्रयद्दानद्यनागस्यनिकतानविंतरंनमवतिष्ठत
नदिदरिंस्यागादनिधिःपकटानवतिनदि कल्पादणमरोविरायावतरति॥नदिनिःसणंनोपिण
मितानामष्टणानद्दाद्दयोतादाधिंगदेवातदतंकिंविवक्षवाकणानन।यत्मूलमन्मूलितोमनोरथ
कल्पशाखीऽःखरवानिनिरवातीकरणनातदद्यगृहीतदद्वापिलोवनाश्रद्दालितोनिधिःपदश्रणीपिर
।पातितादंमारःशिखरमारोप्यापियद्दामयाकिमपराद्दमस्यदेवस्यास्मिन्नसावस्तवातरवा॥अथवा
॥किंकारमिक्षगच्छामिकस्यागवावदामदंडविदंघनादवनंजगमदिमावणतंकि॥॥किंवानतग

ज्यनाकिंवाकल्पितसुखवान्नयानतडक्कलशय्यासनानानन्नधाविधवत्तदंशस्वन्नसुवितंवालुकाशू
ड्याचितंनिरतिशयानंतगुणंवितंत्रिभुवनोंतदारादवकिमुपस्निताभिःखदवाग्निगहानदनायमं
निरागसंनिरागांमांपतियन्नधाविधश्वन्नलालललितानंतसुखवकपीप्यमधेणवाग्यंकर्यसितः
दनंतगुणदुःखदानडुललितनं मांधिगशसमारश्रमारोधिगपर्यंतदुःखानिसुखकामसुखवाश्रलमं
तनंधुलिन्नखड्गक्षरालदनंडलितनविधा यल्ललितना किंवामयाहर्वजन्मनिऋतंदुःऋतोयतश्रा
धीःपसुपरिकमाणमाणंबालडाविडुवि यत्त एणावासाश्रणवाडाचडाश्रडाचडाताविं
वऋिक्रा॥१तकिंमयापडकास्वक्ता॥॥ क्तान्याजिताकिंवालडुवत्मानांमाशमहविद्या
गःऋतःकारितावाकिंवातघंडुगमंता रायःस्वयंप्राणधाकारितःकिंवामबालकाडरविला
निडरिताभिरवनिताभिवाकिंवाल्लनाराणि नऋलकालादिव्यालकाऋलबिलेषुक्षिप्तानिःकिंवाकी
टिकासंडकविवराणिश्राविताभिःतदंडकानिवामाविताभिःकिंवाशुकसारिकाहंसमद्दूरऋुक्कुटादी
नाशिशुनिर्विद्यागादन्नःकिंवानीडानिसंडकानिः शिष्टनिवापातिताभिःकिंवास्फाटितानिधर्मबुद्धा
कांकांडानिःकिंवाबालदत्यावि[illegible]दितःकिंवासपन्नाडुश्चदुःपरिडुष्टविंतितंऋतवाःकिंवागर्भसंस्तनशा
तनपातनानिःममाविताभिःतन्मंत्रावापडुक्ताः॥किंवातदोषक्षन्मुपदिष्टाभिःकिंकस्याश्रुतिशोत्रा

विधाटःशूलानेक्षाशापःप्रदायिःकिंवामयाज्ञाश्वस्यक्तास्याजिताबान्यसक्ता॥किंवाशत्राविराहः
नाकनापिरुपिणाःअथवाःन्यहाकिंमपिमहापातकशीलखंडनादिसमावितंयदीदृशविघ्नंतडा॥
खखवानिःऋताःदर्मानतडुदीवनातदारादितनिष्टुणानिर्दयनिःकरुणापिष्टडुष्टधृष्टअशिष्टपृष्टनिष्ठुर
क्लिष्टकर्मकारकनिरपराधऋनमारकामूर्तिमत्यातकाविश्वसऋनघातकाअकार्यसक्तनिर्लज्जाकिंम
निःकारणविरात्तवसिःपवविधडुःखसागर खतारणनाकिंवारदेवतवापराहंयन्नतिवद्यसिधा
कटीचूयडुःशानिमाक्षिप्तानिःकिंवातर्ग डुरिवविडंबसिःअलंवालीकिंदेवापालंत्सिःकिंवाप
रिदवितनपर्योक्षडीवितव्यनाकरा॥ मिवाप्राणव्यरापणंनेतडुःखकांडपरिसमाश्रिमि
सुन्मनायातातश्रिकीर्षुरितस्त्रातादृक्षदृष्टा॥ मृगीवचंचमीतिःदृष्टावतघाहृपाक्षःक्षपतिक्षपणंवज
रणमरवापरिकारणाःदृष्टावदामंतस्यका॥ रणेवाचंतमाशुनिश्वासंत्यघाकिमंत्रवदामिमदस्तागा
यऋगमंडीवितंसारव्याऋुःसविज्ञातमंगलंश्वत्रीतगर्भस्यऋशलंसाध्राचद्मरव्यागर्भऋशा
लकिंपरिदवनायमस्मिनश्रद्दाहताहताज्ञानदिवनमर्वस्वापहरणेनेतऋाच्चामूर्छितापतिपुनं
मरवीविदिनज्ञानलोपवारलक्षवितत्यावितपतिष्टन्यविन्नाचिरंतिष्टतिवऋदृष्टावसगऋदंगर्भस्वऋू
पंकपयति॥पुनर्मुद्दितानवति॥पुनःऋतापत्यागमसुनिष्टतिवातन्नऋाविलपतिमरवीप्रसुखामक

ॐ नमो अर्हद्भ्यः सिद्धेभ्यः सूरिभ्यः पाठकेभ्यः सर्वसाधुभ्यः ॥ ॐ नमो भगवते श्रीमते जिनाय जितमोहाय जितद्वेषाय जितकषायाय जितरागाय जितसंगाय जितनिद्राय जितपरीषहाय जितेन्द्रियाय जितमनसे जितवचसे जितकायाय जितक्रोधाय जितमानाय जितमायाय जितलोभाय जितभयाय जितमिथ्यात्वाय जितकंदर्पाय जितदर्पाय जितमकरध्वजाय जितमदाय जितमत्सराय जितशोकाय जितरतये जितारतये जितहास्याय जितनिद्राय जितजुगुप्साय जितस्त्रीवेदाय जितपुंवेदाय जितनपुंसकवेदाय जितसर्वदोषाय जितसर्वकर्मणे जितसर्वपरीषहाय जितसर्वोपसर्गाय जितसर्वविकल्पाय जितसर्वसंकल्पाय जितसर्वरोगाय जितसर्वशोकाय जितसर्वमोहाय जितसर्वद्वेषाय जितसर्वकषायाय जितसर्वतृष्णाय जितसर्वाशाय जितसर्वप्रमादाय जितसर्वनिद्राय जितसर्वप्रपंचाय जितसर्वकलहाय जितसर्वभंडनाय जितसर्वचाटवे जितसर्वसूचकाय जितसर्वपरदोषाय जितसर्वपरपरिवादाय जितसर्वमायामृषावादाय जितसर्वानृतवचसे जितसर्वमिथ्यात्वाय जितसर्वकुविकल्पाय जितसर्वदुर्ध्यानाय जितसर्वदुष्परिणामाय जितसर्वदुश्चेष्टिताय जितसर्वकुसंकल्पाय जितसर्वदुराचाराय जितसर्वपापकर्मणे जितसर्वपापाय जितसर्वपापाश्रवाय जितसर्वपापबंधाय जितसर्वपापोदयाय जितसर्वपापोदीरणाय जितसर्वपापोपशमाय जितसर्वपापक्षयाय जितसर्वपापनिर्घाताय जितसर्वपापविनाशाय जितसर्वपापप्रशमाय जितसर्वपापविमोक्षाय जितसर्वपापनिर्मूलाय जितसर्वपापप्रणाशाय जितसर्वपापप्रतिघाताय जितसर्वपापप्रतिक्रमाय जितसर्वपापनिर्हरणाय जितसर्वपापविशुद्धये जितसर्वपापप्रक्षालनाय जितसर्वपापनिर्वापणाय जितसर्वपापविशोधनाय जितसर्वपापनिर्दहनाय जितसर्वपापनिष्कृतये जितसर्वपापशांतये जितसर्वपापसुविहिताय जितसर्वपापनिर्वृतये जितसर्वपापनिर्वाणाय जितसर्वपापशमनाय जितसर्वपापविरतये

दा॥१२॥मिंकपिप्रत्यङ्मदक्षवनायतायङ्॥प्रतीक्षक्षणात्मिमत्यपरवदन्॥१३कविहंदा
तिलादवासंक्रीर्मापर्ववासरा॥स्ववत्यवंविधन्नतस्मान्मानेविधन्नला॥१४नलस्यागछतातप्राशी
र्पवेहकरिःस्थिते॥१५॥नतिर्डरिक्षन्नसङ्गराश्वनिर्नरं॥१६मक्षकधटिकाकारा।कांवएवयाकापः
मा॥स्वदविडसमादहेसुराणांतारकावसु॥१८नदीश्वरविमानानिसक्षिप्यागात्सुराधिप॥डिनेडवः
त्रिःप्रदक्षिणंयक्षत॥१७वेदित्वानम स्यत्वाचे त्यवंदावक्षणःवदन्नामासुतरन्नकक्षिक्षरिकविः
स्वदीपिका॥१८॥अदन्नाकास्मिदविडःका। ल्यादाद्यादिहागमंपलारतिमादवस्यकरिष्यङ्गनः
नात्मवं॥१९॥लनद्यादवितन्निवसुङ्का ःवस्यापिनोदादाक्षद्याङ्गिनप्रतिबिंबंडिनोबासन्नि
धोन्यक्षत॥२०॥लगवंततीर्थकरंसुटावि वाक्यवक्षकवंसवीश्याधिकाःस्वयं॥२१मान्नवरकुम
दस्यमङ्कसदलमङ्गातश्रस्मिरांकाश्रा। वमदंसनावसुदंयकवंनिकूमिता।तिस्मांमंडणपवणिः
डुकिरणाङ्करालिरांमंडणगांमंघउमणांमद्रामित्रयवंडीदासदस्यमुदा॥२२॥काग्रहीततीर्घशाःपा
श्वेहावान्नवामरांएकाग्रहीतानप्रवणकावङ्कधरःउन॥२३॥अग्रगःसङ्गगंसोतिहृष्टस्त्रापग्रगंसुन॥१६
त्रिपश्चात्यमीहतेकवंशतनासुराः२४॥शक्रःसोमरुश्रृंगंसुगवाघ्रापंडकंवनंमरुवृलादक्षिणे नातिः
पांडुकंबलामतं॥२५॥क्षवालंगजिनङ्गवोत्तिसुरवासोनिधीदति।समस्तास्त्रिपिदावंद्राःस्वामिपादान्

मियरुः॥२७॥सोवप्पीराङ्गनाश्चरान्नाश्चर्मरूप्यमयाश्चश्चिरूप्यरत्नमयाश्चश्चिरूप्य
॥२८॥स्वर्मरूप्यरत्नमयाश्चश्चिरूप्यस्वामयाश्चश्चि।कुलाःपत्यकमश्चाश्चयमद्रमयाङ्गनानना॥२९॥वः
द्दंगारदर्पणरत्नकरंडकसुप्रतिष्टकस्थालपात्रिकाघटवंगरिकादिद्रव्याणिकुलवदृष्टव्यकाश
णिपत्यकंश्वपमानानितद्यामागश्चदितीर्घतोमृदंङ्गलेवांगगादीनांङ्गलेपश्चङ्गदादीनांपश्चानिङ्गः
लेवाङ्गलक्ष्मिवहर्धरवेताद्यविङ्गवङ्क श्चारदवङ्कसूत्तरङ्गरंनङ्गशालनंदनवदीनांसिद्धार्थेभुः
ष्पत्तबरगश्चन्नसर्वौषधश्चङ्गलादिवालि। त्यागिकसुरख्यातिङ्गआनाययन्नाक्षीरनीरघृतंव
दः॥सुलस्त्रिसिःसुरावसु॥संमालोघत राजंकिंधतङ्गलाङ्गवङ्कवं॥२७॥रत्नवादाधःपृ
ङ्गसिङ्गंगत्तेकलशाश्चरमादधुः॥२ ःसिंवितङ्गवलावङ्कक्षिपेतावानिङ्गमलोकलशाश्चा
पयेतावोधर्मवित्यवसुःसुरा॥२९॥संशयंत्रि दत्राश्चसमश्चावीराःमरावलंवामाणुष्टाश्चसंपकीत्म
मेतादप्पवीवलन्न॥३०॥कंपमानगिरीनत्तवकंपवसुधरादृगाणिसर्वतःपेत्रुर्भुङ्गुडःसागराश्चपि॥३१
ब्रह्मांडस्फाटसदृश्चश्चाद्दाहितप्रसर्पतिःरुष्टःशक्रोवधर्ज्ञावाक्रमयामासतीर्घणं॥३२संख्यातीतार्हतां
मध्यस्थष्टःकतांक्रिणांमरुःकंपमिवादित्यानंदादिवननर्त्तनं॥३३॥लक्षराजतामत्तत्मान्नागा
निषेकतः॥तनामानिझरादारास्त्रणांपीडाजिनस्नधा॥३४॥अक्षतेङ्गस्तवंविधत्यस्तिषेचनांततो

मरा।मह्वविविंवीरा फणिणाविकंफणाडावा॥१७सा घिवूणाकारणंउल्लालकणघलिंउदूरंन
यरद्विणाडिंणाणेलकुमिलिआतोवणाडिंना॥१८वितडमुरानानीनंउछंताअन्नदापुणालासाइछं
तरमिवीरातिइमयकीलणंकणइ॥१९तदिकमारदिसमासाविसाडिंतमूवयंकाउंकीलइवी
राणसमंडिंनेआसालगवयातछा॥२०तप्पिहीणवीराआफूदातस्मवादणनिमित्ताणासाविआतछणा
डिआसमडंपिहिआरुदणा॥२१धासावहिंउ। पवत्तावआलाकारधारंरुहासत्ततलमाणादाहसं
डाउंलसमहाणा॥२२डिणानाद्दणविधा॥ दसंउहीणवक्कंकहिणासुहीणासाआराडिंकाउंलणा
णसमगुवसकुडिंउ॥२३णायडिआ। मरूवारंडिआदिआउंआणमडडिणिदालणाड
उंदरामसरधीरंतारिसावा॥२४डा। रिसयंसुरवडणासुरमछवन्निआतिनारवमसुामछंउ
मालसविंउरिकणछडामवंति॥२५डंडा २रखामिआणमिआवीरगंसामाद्दमालयवणिगिंद
विहडविमिहकीलाविणाणा॥२६बालत्तणविछराणयडणगुरुपरक्कामालयवावारुत्तिकयनामं
साक्कणंउहविंत्तिणा॥२७डयामलकीकीडा॥ अद्दतंअम्मापिआराडाणित्ताअद्दिआअद्दवासंउडा
यकाउंअलंकारालद्दायरिआसमवणिंति॥२८माहपिहलिदिनमुद्दिलमद्यवस्ताउनंसकलजातकुंडि
आणात्ताडनपदानपुवंकसकारसमाद्दिगडंउरगसमुद्दिःस्फारकडूरहारःकनकघटितमुडाकुं

डलिःकंकणाद्योरुविरतरडकुलिःपववणसदानीसुडनसुरवनारंडाःसक्रियातस्मत्कथा॥१तदावीर
कपकारादारपकारादारपशस्त्रवसूनांसंग्रहःपंडितालरवशालिकपदानाद्यातन्नामान्यसूनि॥वरः
सालासाकरारवाडगुंदवडाडाघारवारिकाटपरारवक्षरसीघाडानिमडांपिसाडरणाडांबेदा
माअघाडावायमावारबीवारुलीफलकुलिनालिकराआनकपकारनांकाकश्रिआसानानाकूपाः
तोर त्रनासानारत्रनाकूपारत्रनासाना कूपारत्रनाघाबानाघीतलनामाटीनासाकरनारवडिआ
पसुरवनानावसुपंडितालरवशालिकय रेणनानाविधपदकलानानाप्रकारआलरणासानाकू
पातावर्त्तणालरवणसरस्वतीत्यागा। माणिक्यमोक्तिकरवचितसुवर्णालरणाकर्पूरमिः
श्रितनागवल्लीदगीफलादिनानाविधव। सूनितताःपविविसीघादकिःसंतगवतःकारयतिकुल
दृहरेश्रालगवंतमाल्यडकुलदिद्यानर। णविलपनादितिविद्यपतिसवर्णश्रृखलाद्याजितसिद्ध
रसरालकातगंधसिंधुरत्नगवंतश्रीमदावीरसमाराधयंतिततदाचक्रियातपववर्म्मनिगाक्तिकुकला
लेकृतानिपविरुद्धत्राणिजडूयातसुवर्म्ममयंदंडमंडितानिसितकरकरनिकरसोदराणिवारुवामरा
णिदीयातमहादानानिवाद्यातनंतासुकुंदमंदलपडदक्कमालकरडिंडिमझल्लरिपमुखवाद्यानिश्राणि
दृत्यत्यानकपाश्राणिगायंतिगायनाः॥पठंतिसूदवंदाः॥वेदावारवयंतिब्राह्मणाःजीवरनंदनंदसुद

काणविकाश्तिपूर्णघटंगारं।आग्नेयकाणविकाकनदंडमुणिविविचतालघंटमादायसडासानाम
निर्घादेतिततःश्रीनदिवर्द्धनादिष्टादृष्टाःसुरुपायावद्विविकासुत्पाटयंतिश्रीतारशक्रःशिविकायाद
क्षिणत्यासुपरितनीबाहा।ईशानेऽकंतरादासुपरितनीबाहा।यमराजाःधन्नीदक्षिणत्यांबाहां।व
लीहाधन्नीसोतरादांबाहांश्चाघानवनद्यतरज्यातिक्रविमानिकेंद्राश्चयद्यार्हशिविकासुत्पाटयंतितत
तःशक्रशानवर्जीस्तासुहर्षतिश्चाकशानो। इद्यामरान्यावीक्ष्यतःजावयंकडगामाजावयादवाण
स्तवणश्चावासादावदिश्चदवीदिश्च श्च विरदिश्चसवरातदिश्च॥मिहासणतिसन्नेसक्कीसाणा
दाहिणासहिवीयंतिवामरहिमणि। कणगविविचदंडहि॥दसहिंउरिकत्तामाणसहि
सादहरामक्कावहिपहावहंतिमीश्च श्च सुरिंदसुरिंदनागिंदा॥चवलचवलहसणधरासहंदवि
उविश्चारणश्चरा॥देविंददाणविंदावंदंति सोश्चजिणिंदस्स॥पाकसुमाणिंववन्नाणिसुश्चतादुद्ध
हीश्चातामंतादेवगणायपदहासमंतंश्चहुश्चमयणं॥एवंसडवकसमिंपनमसरावाकहास
रयकालासादहकसुमसरणंश्चगयणयलसुरगणहि॥णश्चयसिवणचकसुमिश्चकणया
रवणववयवणव ।तिलयवणवकसुमिश्चश्चणा॥वरपडहलरिझल्लरिदुंदुहिसंखवस ०हि
धरणिअलगयणयलेहरतिनाईपरमरम्मा॥इद्यवसायाघाराश्चसक्काहट्ठयहनंगा॥वि

यानिकेश्चकमत्यक्काणुःकाहकाकुका॥इश्चुत्तावाद्योघनिर्घोषविद्याःभवनसुविकला॥वकुनी
नाःविभ्रश्चष्टाःसर्वेपाविस्मयपत्रदा॥ततश्चा॥तगवतिशिविकासदपवड्याविहपहवत्ततसमतय
रमर्वात्मनारत्नमयान्यष्टोमंगलानिपुरतःक्रमेणप्रस्थितानितद्यथा॥स्वस्तिकःश्रीवत्साःनद्यावर्त्ती
:शवर्द्धमानकंधनशासनंपकलशाःदमत्सुगमंगदर्पणश्च॥तदनंतरमालोकदर्शनीयानिक्रमेणपूर्ण
कलशाष्टगरवामरणितातागगनतलम। मुलिरवतीद्यातादृतामहंतोविजयंतातदनंतरंविलेमः
विदूर्यमणिदंडोपलेवमानकांचिदमा। लंबदामापद्यासितंचंडमंडलनिलंविमलमातपत्रं
तदनंरमणिकंनककविचित्रंसमादधौ वंसिंहासनंतदनंतरंणश्चआसादरहितासुरग
मा॥तदानंतरंणश्चवरकुंजरा॥ततःपुनं तरंणश्चसघटसपताकसनोदीघाघंटानानाघदरणसंघट
तारघा॥ततोऽनंतरंणश्चवरपुरुषाःततोदा। यानीकांततोपनंतररथानीकांततोपदात्यनीकांततः
नंतरमाकाशतलमुल्लिरवनूलघुपताकासदृश्यरिमंडितायोजनसदृश्याहृत्यःतिमदान्नमादृद्ध
ध्वजा॥तदनंतरंवदवःरवड्गादा॥कैतयादाःगदफलकयादा॥ततादासकारकाः॥नर्मकारकाः॥कांद
र्पिकाःकुत्यश्चाष्टपद्मुजानाः॥तदनंतरंवदवैनयालोगाराजन्याःक्षत्रियाः॥तलवराःमांडविकाःकोडुवि
काःश्रेष्ठिनःसार्थवाहाःबहवोदेवादेवश्चसामिनःपुरतःपृष्ठतःपार्श्वतोद्यवस्थिताःसंपरिवृताः॥तदनं

Bhandarkar Oriental Research Institute

णंसहन्नबुद्धी॥१७॥अद्दासुराःकपंजाताम्रीधेलिश्ववायसा॥कलंकरवाडकामद्धिकाश्चदनंयथा॥१८॥कर
नाऽवसद्दकाऽनद्धीरान्नश्करोऽवअर्कस्यालोकवद्दूकास्यङ्काथागंपत्रयोतियद्दा॥१९॥गुरुमा॥अद्दवाङारिस्म
ऽवित्रिअसानाणीतारिसासुरातविअणुसरिसासंङागोमामनङाणंवसुरकाणं॥२०॥सुगतं॥द्यामित्रंयद्दयंकिंस्य
१इत्युद्दायाकंसरिद्दयास्वङ्गद्दोवाघतीकारंकिंसर्वङावद्दसवा॥२१॥किंवद्दङालिकाःकापिकलाशालाविद्द
शाङा॥सर्वङाटणमाऽणङनसूयिंपितारक॥ ॥२२॥सावाद्दीङाःङनाःकीद्दशंसर्वङासानिगद्यातांङानिरु
वंसङ्गंकावङ्कनामास्यशकुयाद्द॥२३॥मद ध्येतार्द्यसाद्दनंमायायाःकलमंदिरंकपंलोकाःसमुसा
पिविद्यामयातिताःसुना॥२४॥नङ्कमङ्कण मात्रंसुतंसर्वङंकदाचनातमास्माममणाकङंसयोनिव
पतीङ्कात॥२५॥वृश्चानरःकरस्यश्रेष्ठंगद्दःश्च १यदसूनंङ्कियाश्चरिसुङ्कंयनसद्दंत-कदाचन॥२६॥म
यादिट्यनवादीद्दासूलंसंस्थापिताःसामागदे श्वरतरःकासोसर्वङासुरलावन॥२७॥लोलायनाग्निसंद
गधाःखरःकृतस्यायादण॥२८॥तत्पाटितागङायनकावायोस्यङलिका॥२९॥अग्निहोतिरुवाविवंद्यातःकस्मात्वि
क्रम॥कीटिकायंकपंक्रिराङ्कारातिपराक्रमं॥३०॥पद्मासोत्पाटानंदस्मोकठारःकाशकर्तीनासूगस्यमार
णंसिंदःसङ्गिःकिंङापिशस्यात॥३१॥गोतमोत्रातरंप्राद्दलाअद्याप्यवतिष्ठतावाद्यंसोविद्दितमूङ्कपाकः
कंकङाकायंपा॥३२॥थपीलयतस्त्रिलाःकश्चिद्दलतश्चकणायंपा॥मूङयतस्तूणंकिंविदंगस्मःपिद्दतःसर॥३३॥

मर्दयतसुप्राःकापितद्दादयममालवत्नातंपापिसास्त्रिनंदिंसुभ्रसर्वङावादिनं॥३४॥कस्मिन्नङितद्यस्मिन्न
सर्वमप्यङितंनावत्॥एकदादिसतीलुप्तंग्रालास्यादंसतीसदा॥३५॥तः॥छिद्रंश्रालयिपातःकिंपाप्राक्षिः
निवमङ्कतिनसालाद्दातधीरःसालाङ्गपातितपिकिं॥३६॥दंद्दावादिगणेलोटकार्णादिसमुङ्गवा॥क
स्मादंद्दयतांप्रात्नाद्दूयंममगुरुःसदा॥३७॥लाटाङ्गगताःप्रवादिनिवद्दामोनश्रिताःमालवाश्चकासामगध
गतागतमदागर्ङतिनागेगर्ङराःकास्मीराःच णताःपलायनकराङाताश्चिलंगाङवाविश्ववापिसमाश्चियो
ङिङरुतवादंमयासाप्तंतं॥३८॥ङल्लसूर्य स्यमंङ्कश्चपटंदाङद्यतःमूषारंदंश्चमार्जदिंङापाता
यसादरं॥३९॥श्वेतपत्रःसुगर्ङंश्चेगोःपद्दर्ङ्ग कांङ्कतिकृतःक्षिपःपर्वतपातायदंताल्यायतातरयाङ्
॥४०॥वाकाकिंसरिङ्कधकिंसरान्नकङ्कुमी दंतामद्दष्टायदासोसर्वविङ्गरायपयातङाना॥४१॥विद्या
यकाःसमीरातिसुखवश्चनदावाग्निङ्गालिताः॥ सुनाःकपिकङ्कलताद्दंसुखवायालिंगितानङ्ग॥४२॥
र्घमणिलाङादंसःक्षीयःपसारितःसर्वङारापतांतनयदंदंपरिकापित॥४३॥सुगम॥तावङ्कर्ङतिरवद्यातस्ता
वङ्कर्ङतिवंङमाः॥४४॥दितङसद्दस्रावोनरवद्यातानवंङमाः॥४५॥वृक्षावङ्कजःपङ्कुसदानगन्नःकारात्यकालाबुद
गर्ङितानित्यावन्नसिंदस्यगुदास्वलीङुलांगूलविस्फाटरवंश्रणोति॥४६॥ममसाग्यस्तारद्यद्दावाद्यंसमुप
स्थितः॥४७॥ङलिङ्कङ्घितस्यान्नलालस्थिंतातिगायद्दा॥४८॥यमस्यमालवाङारकिंस्याक्कावावन्नस्थिनः॥अपोषि

जिन्मदीयति॥कन्यास्फीतलावण्यरूपालाद्यासमायाया॥४अश्वसानप्रवावेवंकुमारःपार्श्वेगत॥सद्य
विरक्तःसंसारान्नजानकिंकरिष्यति॥५परंतातापराधंतपार्श्वनाबलादपिविवाहंकारयिष्यामःनिश्चंत
मपिबाल्यत॥६इत्युक्त्वासहतानेवपार्श्वेपार्श्वेगताहप॥७मोहनसनजिलुब्धोमहादेविजगादव॥८श्रीपार्श्वि
बदीन्नातकुलशादिपरिग्रह॥९अपिपक्षीणपापस्यजीवाबध्नंतेवशाविन॥१०ततःपिहवद्वःपार्श्वपिलंघयिसुद
हादप्रनावतं॥११अधिषासादमारुह्यहस्तामा वातायनस्थितःश्रीमान्रंगमंडपावलोकनंतकुवलान॥१२अ
हिश्चनिर्यतःकुष्णप्रहारपटलीवृतःसमं समान्नागरांश्चनागरास्त्रीकृतप्रभु॥१३तत्स्वरूपंकापिप्रेक्ष्य
।उरणवसुवाच॥ ॥संनिवेशकुठि। दग्धदारहिजकुलसुत॥१४प्रयाजीविताकोकंकव
इत्युदितश्चते॥१५अत्यद्भुतरूपश्चरन्नप्रपश्य नूनमरन्नालंकारश्रेणि॥१६वाऽवामीतन्मान्यप्राप्तेऽ
न्मतपसःफलं॥१७एवंविचिंत्यसंवेगादग्रद ेन्नापसन्नतं॥१८वाग्यादितपसंपंकदमूलादिलाजनः॥१९सा
यंनाघतपश्चद्यबहिःपर्याऽहागतः॥२०वाग्यादितप संवाविशेषोरावजंत्यमी॥२१ततद्दुःकोऽवंश्वामाजगामे
सपरिछदाज्ञानत्रयधराग्रयद्दद्यमानंमहारंग॥२२ततद्दाकरुणालाधिर्नगवानत्यधदिदं॥२३अहोअज्ञान
मज्ञानेनदयायत्रयमपि॥२४कीदृशमरिहितातंकादृगविनानिशा।कीदृशवर्षाविनामेघंकादृधर्मोऽ
चूणाऊरा॥तस्यात्रापसुप्रतापंकियन्नदंतितपुन॥२५अहोतपश्चिन्नतिमूहानवातधर्मस्यतत्त्वेनहिवेत्ति

DR. U. P. SHAH
LIBRARY
AU DAU

सर्वथाऽहंमहारंभरतानिरंतरंकष्टप्रदाकिंकरुषदयांविना॥२७सर्वेवदानतत्कर्डीसर्वेयज्ञाश्चनागत।स
र्वेतीर्थानिएकाश्चयत्कृपयाश्रेणिनोदया॥२८यादृदातिमदस्राणिगवामष्टशतानिवाश्रुत्यविकसत्सप्र
तहानमतिविद्यात॥२९कपिलानांमहस्रंवाहिजेन्यःप्रयच्छति॥३०कस्यजीवितंदद्याकुलानार्हतिषाऽडशी
॥३१वाहमाधत्रधरादीनांदातारंबलनाचविडलंनःपुरुषालोकयःश्रेणिबलयद्द॥३२अथकदाःकृतवःसर्वे
समग्यवरदक्षिणा॥३३एकातत्रयलातसप्राणि नःप्राणरक्षणे॥३४अथकतःकोवतेमरुबकुरन्नावसेधरा॥३५
कस्यजीवितंदद्यान्नवत्सल्यबुधिष्ठ॥३६स त्रिषुयहानमेकसत्रवयादया।सर्वदानप्रदानाहिसा
वविकाप्रशस्यता॥३७यद्यकामकृणदंश दीन्नयऊचन्नुदतमत्तोऽवत्यरिक्तितनरास्व
र्गगामिन॥३८अलालासप्रश्निश्रेणिकिमि दमाश्रमज्ञानकृष्टधर्मस्यलिंगमपिसर्वथानावभिाय
त॥३९यावदंतरंहायात यायावदंतर ब्रह्मातधकारया॥४०याऽदिवसनिशाया॥४१याऽवंडमंड
लश्चकनिकाया॥४२याऽसूर्यबिंबलिहालकाया॥४३णिमामावास्याया॥४४याऽअमृतविषया॥४५याऽऽम्रकाऽजि
कया॥४६याऽगुडलवणाया॥४७याऽनातिकृत्या॥४८याऽदर्शकाधकाया॥४९याऽधवलकृष्णया॥५०याऽसुगालदुष्काल
या॥५१याऽदर्शनाकाया॥५२याऽसंपद्विपदासुखदुःखया॥५३याऽऽऽदरिद्राया॥५४याऽकल्पद्रुकरीराया॥५५याऽविता
मणिकर्करया॥५६याऽकामधेनुशत्या॥५७याऽगरुडमाक्षिकाया॥५८याऽक्षीरसागरस्यदिनिकया॥५९याऽसर्वाऽस्त्रिमया

DR BHAU DAJI

इविक्रयावत्मइरयास्मन्मानारघाश्नानलयाद्याःक्रांताद्वादशक्रिकर्मभूमिनिश्रया॥१॥तातपुत्रं॥यदतस्मा॥
कुमारब्रह्मचारिणः॥नमि॥क्षीणसोगफलकर्मादःकिंवाएकश्रीसंयद्दनतकंसमघातघातकानवनांतवतां
तस्मिन्नविवादाकायमाग्रहः॥तत॥जयनिर्जितकदर्पकंवजातानयवहानिनोत्मवतारैनाघतीर्थवर्त्ते
याः॥इतिविज्ञप्तयेतालोकांतिकादवाःस्वामिनंप्रणम्यश्रीमसुइविक्रयराजानंशिवादेवीवनाघेतकायमा
नंदस्नानविधादःस्वामीवार्षिकदानानंतरंविबुध नमानंदयिष्यतिसर्वेविबुधाः॥श्रीनमिवारत्र॥समाप्तमिति॥

२१श्रीमहावीर	वर्षसय	२२श्रीपार्श्व	२१श्रीनमि	६वर्षलक्ष	२०श्रीमुनिसुव्रत	१७अरनाथ	कोडिवर्षसहस्र न्यूनपल्यचतुर्थभाग १७श्रीकुंथुनाथ॥
२२श्रीपार्श्व	पंचसहस्रवर्ष	२२श्रीनमि	२०श्रीमुनिसु	५वर्षलक्ष	१९श्रीमल्लि	१७श्रीकुंथु	पल्योपमार्द्ध॥ १६श्रीशांति
२२श्रीनमि	५वर्षलक्ष	२१श्रीनमि	१९श्रीमल्लि	एककोडिवर्षसह	१८श्री अर॥	१६श्रीशांति॥	त्रिभिःपल्यतासागर न्यूनपल्यचतुर्थभाग १५श्रीधर्मनाथ

अष्टश्रीआदिवरिवं॥क्रअवक्रंमइंनाणिअहंति॥जाउसगाअनयवंअयंडिवडिएहिंतिहिंनाणहिंकेनाहिअहं
हीहिअअन्नहिंनतहिंनंमिणहिं॥एदसणगेवरिसंमकागमणवंसतवणाय॥आहारंमणलीणतविंतिएदवा
मणुन्नइ॥२सावीएनाघेक्रांतावालयनमन्नाणायागंकवंति।किंयदागनिलायमतिसुरामवांगुलिवदानपहिंव
तिनंयवनानारमसमासुक्कमनाजमादारदवाःसायंतिअतिक्रांतबालनावासुश्रियकमादारइक्षुति ५७

१५श्रीधर्मनाथ	धसागरोपम	१४श्रीअनंतनाथ॥
१४श्रीअनंतनाथ	एसागरोपम	१३विमलनाथ
१३विमलनाथ	इएसागरोपम	१२वासुपूज्य
१२वासुपूज्य	पंचसागरोपम	११श्रीश्रेयांस पल्य त्रिभागोनसा
११श्रीश्रेयांस॥	१०एकसागरहस्यवर्षल	२८वर्षसहस्रचतुर्भागेन्यू
१०श्रीशीतल	एंकोडिसागर॥	एश्रीसुविधि
एश्रीसुविधि	एएंकोडिसागर	८श्रीचंद्रप्रभ॥
८श्रीचंद्रप्रभ	एअनकोडिसागर	७सुपार्श्व॥
७श्रीसुपार्श्व	एंनवसहस्रकोटिसा	६ श्रीपद्मप्रभ
६श्रीपद्मप्रभ	एएनवकोडिसहस्र	५ श्रीसुमति
५श्रीसुमतिनाथ	एकोडिलक्षसाग	४ श्रीअभिनंदन
४श्रीअभिनंदन	९कोडिलक्षसा	३ श्रीसंभव
३श्रीसंभव	३०नवलक्षकोटिसा	२ श्रीअजित
२श्रीअजित	५०लक्षकोटिसा	१ श्रीआदिनाथ

श्रीकुंथुसुव्रावस्रवड्डानवत्यग्रशतानावहिवाएनीतमि
वाहारखत्तरकुरुगतकल्पद्रुफलहस्यसुरचक्रवाद्॥सकी
वेसहवणहक्षुअथूतगाकुंडिरकागाःकंचडुदाडुमिवएको
गोकासीअंतसंघ॥३यहामाअकालमहनहितालफलाण
दारुंयदृढंकन्ना एकुलगराणसिहगदिआउसनयत्ती।
॥धअदवहड्ड। समनयवदिआलाअबुंअणावर
मसिरासुद वमणसंपरिवुडुनंदाइसुमंगला
समहिनं॥पत्नोग। समसुनाउंवरकम्मंकासितस्मदिवि
दाडहंवरमदिल णंवक्कंकम्मंकासिदवीगाःदवसुवसु
हस्माघुविजायस्मजिणवरिंदस्माःतानरदवंनिसुंदरिवाडु
बलीवबजायाडं॥यदवीसुमंगलाएसरदाखीअभिक्कणय
जायादवीइसुनंदाएवाडुबलीसुंदरीवा॥एाअणाएनंडु
अलडनाणसुमंगलाएणायसवानाइणमइक्कमणनिवे

DR BHAU DAJI

DR BHAU DAJI

	गोत्र	छेदोप	वृ	यथा	उप	मोह	मोक्ष	अवधि	मनः	केव
द्रव्य	५७	४६	४२	५७	५७	५३	६५	४८	४६	३६	१६
क्षेत्र	३०	१२	१७	१२	४२	१४	१४	१७	१२	१७	८
काल	१२	१६	१७	१७	८	१६	१६	२१	१४	१६	१६
भाव	७२	७४	७८	७८	७७	७३	७५	७१	७२	६२	४७

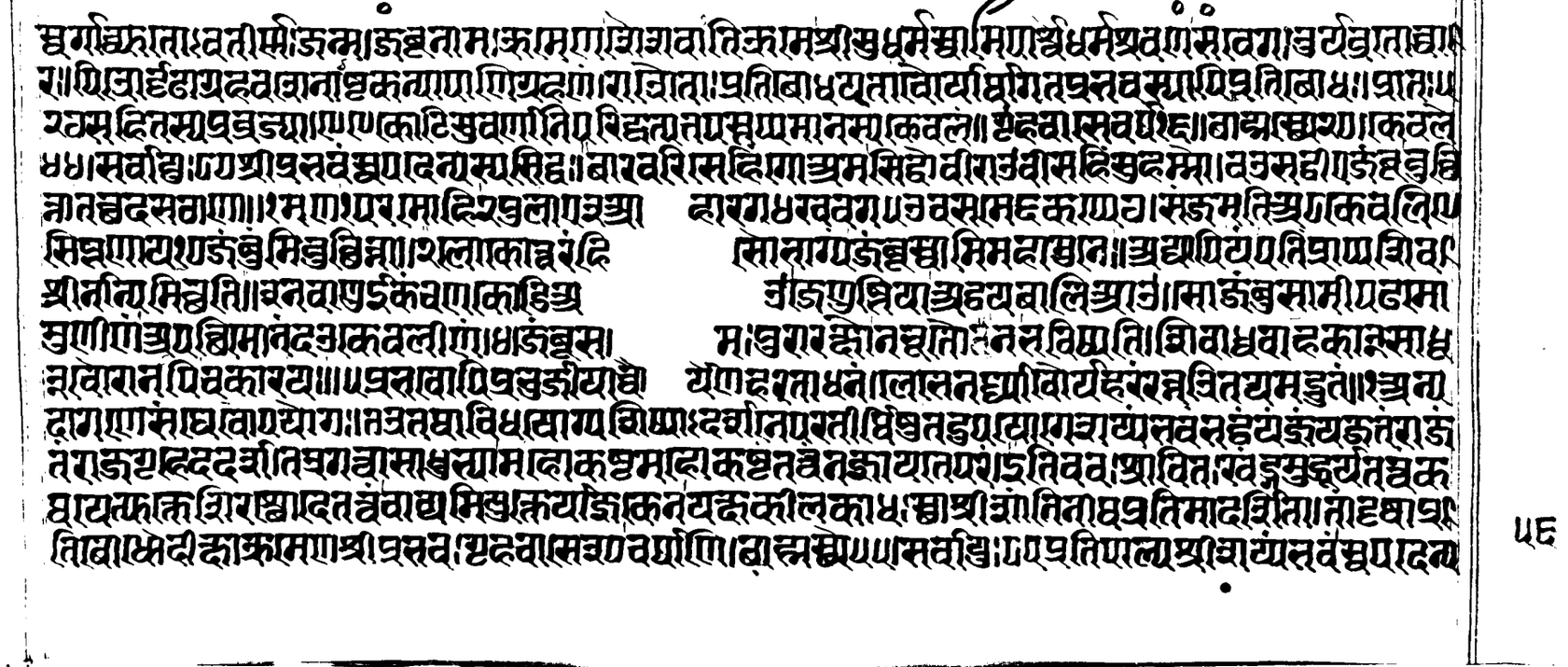

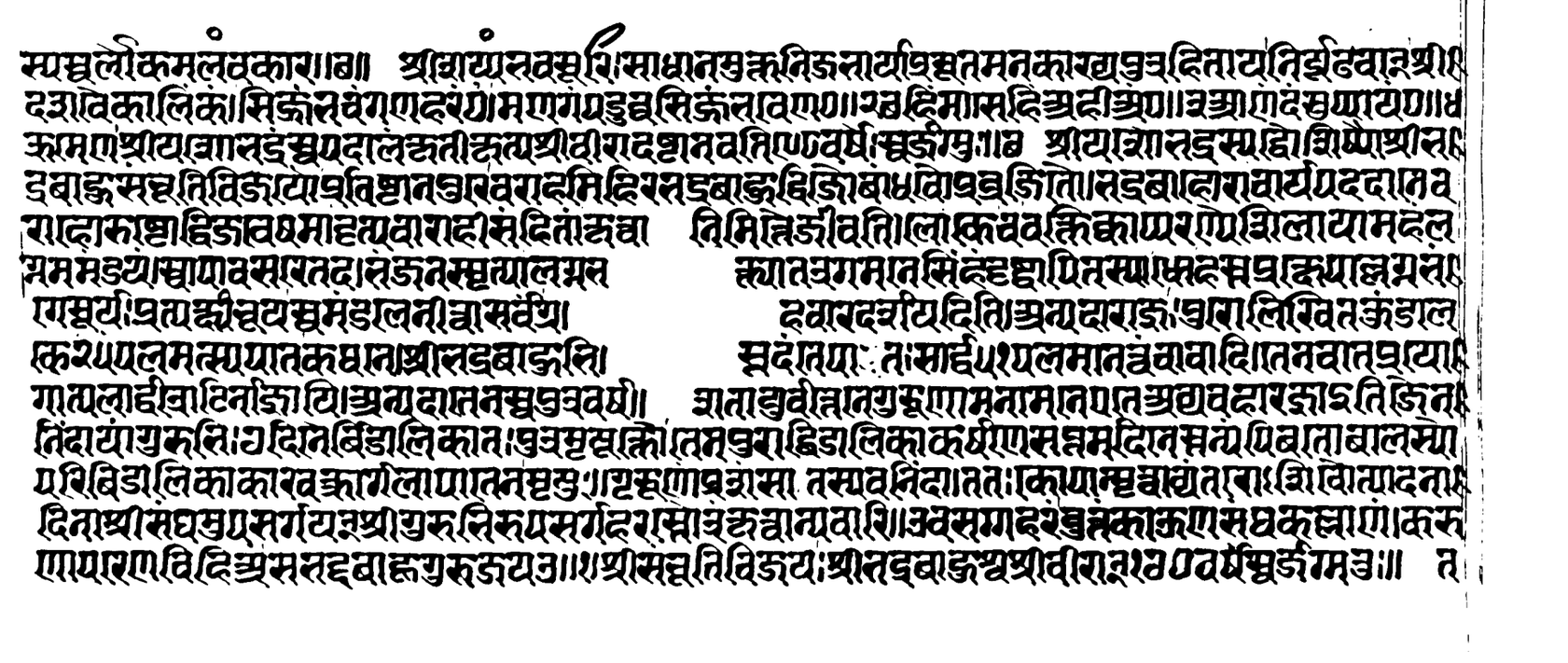

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

वारः॥धर्मदीक्षाज्ञानंपरिवारमोक्षः॥अथपार्श्वश्रीनमिवरितंतरगणि॥दे[illegible]विवल्लविरावल्यः॥ग्रमा
मावारीमिह्नण॥श्रीकालकाचार्यकथा॥अतिश्रीकल्पाराध्यामोक्षणसानिए
नहार कैराजमगरसूरासरशिष्यकुवारजाईग्रानिनंगारसूको

ह्ग०१८१.५२

DR. BHAU DAJI MEMORIAL